महोदय, यह मामला बहुत गंभीर है। यह देश के किसानों से जुड़ा है और देश में इसकी खपत करने वालों के साथ जुड़ा है, इसलिए इस मुद्दे पर सरकार सकारात्मक रुख अपनाए, ताकि किसान और देश का गरीब बच सके। धन्यवाद।

DR. M.S. GILL (Punjab): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon'ble Member.

**श्री अवतार सिंह करीमपुरी** (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

**श्री तरुण विजय** (उत्तराखंड) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

**श्री जय प्रकाश नारायण सिंह** (झारखंड) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

**श्री अविनाश राय खन्ना** (पंजाब) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

**श्री नतुजी हालाजी ठाकोर** (गुजरात) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

**श्री भरतसिंह प्रभातसिंह परमार** (गुजरात) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

**Demand to reopen mines in Odisha**

SHRI RAMA CHANDRA KHUNTIA (Odisha): Mr. Deputy Chairman, Sir, I want to raise about the plight of the workers working in two mining districts of Sundergarh and Keonjhar of Odisha because of the mining and for want of forest and environmental clearance. Many mines, including public sector mines under SAIL have been closed down since one year. Recently, mines under the Odisha Mineral Development Corporation and also Bisra Limestone and Quarry Mines have also been closed down for want of environmental clearance. Sir, there may be some fault on the part of the owners of the two mining districts, that is, the State Government and the Central Government authorities. But the workers are in no way connected with that and they should not suffer for the fault of the mining owners. Now there is no certainty when the mines would be reopened. Around five lakh workers, mostly tribal workers, are working in the truck loading and unloading, in the railway head and the port head. Now, they are all out of job. So, I urge upon the Central Government to take immediate decision to open these mines and give environmental clearance so that these workers could go back to work.

I want to draw the attention of the Government to the fact that these two districts are Naxal-prone areas. If the tribal workers remain out of job for a long time, I am afraid; they may be motivated by Maoist people to take a wrong track.

So, I urge upon the Government to take appropriate steps to open the mines so that workers can go back to work.

**Demand to lift ban imposed on Shrimad Bhagwad Gita in Russia**

**श्री तरुण विजय** (उत्तराखंड) : महोदय, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का संदेश देने वाली अमर गीता पर रूस में प्रतिबंध लगाने की साजिश की जा रही है। क्या आप सूरज पर प्रतिबंध

लगा सकते हैं, क्या आप हिमालय को प्रतिबंधित कर सकते हैं और क्या आप पृथ्वी की गति को प्रतिबंधित कर सकते हैं? ऐसे मूर्खतापूर्ण कार्य की पूरे सदन द्वारा सर्वसम्मति से निन्दा और भर्त्सना की जानी चाहिए। यह खुशी की बात है कि गीता पर प्रतिबंध के विरोध ने पूरे हिन्दुस्तान को तथा पूरे हिन्दुस्तान की राजनीतिक पार्टियों और विचारधाराओं से ऊपर उठते हुए सभी राजनीतिक नेताओं को एकजुट कर दिया है। गीता ने भारत को एकजुट कर दिया है। लोक सभा में लालू जी, मुलायम जी, शरद यादव जी, जोशी जी, आदि सब लोगों ने पार्टियों से परे उठते हुए इसका विरोध किया है।...

**श्री उपसभापति** : आप उनके नाम मत लीजिए।

**श्री तरुण विजय** : महोदय, जिस गीता ने 'धर्म की जय' का संदेश दिया और सुप्रीम कोर्ट का उद्घोष है- 'यतो धर्मः ततो जय' उस गीता पर प्रतिबंध का पूरे देश को विरोध करना चाहिए। इस बारे में भारत सरकार को रूस सरकार से बात करनी चाहिए। महात्मा गाँधी ने कहा कि, "गीता हमारी माता है", वे प्रतिदिन गीता का पाठ करते थे। विनोबा भावे ने गीता पर एक विश्वविख्यात टीका लिखी, जिसे उन्होंने गीताई कहा, जो घर-घर में पढ़ी जाती है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा, "When I read the Bhagavad-Gita and reflect about how God created this universe, everything else seems so superfluous", गीता के बारे में पूरे हिन्दुस्तान के लोग मजहब, जाति, प्रांत, भाषा, पंत से ऊपर उठते हुए एक हैं और उन्होंने मांग की है कि जिस गीता ने संदेश दिया, *"परित्रानायसाधुनाम् विनाशायचदुश्कृताम, धर्म संस्थापनायथाय सम्भवामि युगे-युगे"*, ऐसी गीता के बारे में प्रतिबंध की कोई बात सहन नहीं की जानी चाहिए। महोदय, अभी हाल ही में हमारे प्रधान मंत्री रूस के दौरे पर गए थे। उसी समय यह मुद्दा भी उठा था। हम जानना चाहते हैं कि क्या प्रधान मंत्री जी ने रूस के साथ इस महत्वपूर्ण मुद्दे का प्रश्न उठाया है और अगर उठाया है तो उनको क्या उत्तर मिला? महोदय, यह गीता वह ग्रंथ है, जिसको पढ़कर हमारे क्रांतिकारी अंग्रेजों के खिलाफ़ संघर्ष करते हुए फांसी के फंदे पर झूल गए थे। जेल में, भगत सिंह की कोठरी में गीता का ग्रंथ मिला था। गीता ने देश को प्राण दिए, गीता देश की पहचान है, गीता देश की परिभाषा है, गीता देश की एक अटूट युक्ति है और संगठित शक्ति है। महोदय, गीता ने कहा है, "गीता नहीं सिखाती आपस में बैर रखना, हिन्दी हैं हम वतन हैं हिन्दोस्तां हमारा" गीता के बारे में सबको एकजुट होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over. ...*(Interruptions)*...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया** (झारखंड) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं। ...(**व्यवधान**)...

**श्रीमती माया सिंह** (मध्य प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करती हूं।

DR. BHARATKUMAR RAUT (Maharashtra): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member. ...*(Interruptions)*..

**श्री एम. वेंकैया नायडु** (कर्णाटक) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं। ...(**व्यवधान**)...

DR. CHANDAN MITRA (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member. ...*(Interruptions)*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The entire House agrees with this. ...*(Interruptions)*

**श्री प्रकाश जावडेकर** (महाराष्ट्र) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं। ...(**व्यवधान**)...

DR. VIJAYLAXMI SADHO (Madhya Pradesh): Sir, I associate myself with this important issue raised by the hon. Member.

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member. ...*(Interruptions)*...

**श्री शान्ता कुमार** (हिमाचल प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं। ...(**व्यवधान**)...

PROF. P.J. KURIEN (Kerala): Please allow me to speak. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The entire House joins in condemning this. ...*(Interruptions)*...

PROF. P.J. KURIEN: Sir, I have also given notice on this. Please allow me to speak on this. ...*(Interruptions)*... Sir, since I have also given notice, please allow me to speak. ...*(Interruptions)*... Sir, this is a very serious matter. Bhagawad Gita is our great treasure. Its message is universal. It is not confined to one religion. The Russian Court perhaps has not understood its message. I request the Government of India to take up the matter with the Russian Government and the Siberian Court and make them understand. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The whole House condemns this. ...*(Interruptions)*... I am again announcing that the entire House condemns this and the Government will take steps in this regard. ...*(Interruptions)*...

PROF. P. J. KURIEN: Therefore, it should be taken up. ...*(Interruptions)*... I fully endorse the views raised here and condemn this. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The entire House joins on this issue. ...*(Interruptions)*

**श्री बलबीर पुंज** (उड़ीसा) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

**श्री राजीव प्रताप रूडी** (बिहार) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

**श्री एस.एस. अहलुवालिया** (झारखंड) : महोदय, पार्लियामेंट के परिसर में, ...(**व्यवधान**)... हर द्वार पर, पार्लियामेंट के स्तंभों पर गीता के श्लोक लिखे हुए हैं ...(**व्यवधान**)... पार्लियामेंट के स्तंभ पर जहां गीता के श्लोक लिखे हो ...(**व्यवधान**)... वहां सर्वसम्मति से संकल्प पास होना चाहिए ...(**व्यवधान**)... और रशिया की सरकार को भेज देना चाहिए कि भारत की संसद इसका पुरजोर विरोध करती है...(**व्यवधान**)...

**श्री उपसभापति** : जरूर। ...(**व्यवधान**)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, the Minister of Parliamentary Affairs should assure the House that it will be conveyed. Let the Parliamentary Affairs Minister give an assurance. ...*(Interruptions)*...

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव शुक्ल)** : उपसभापति जी, सदस्यों की जो भावनाएं हैं, हम उससे पूरी तरह से संबद्ध हैं।

**श्री उपसभापति** : हाउस की भावना है।

**श्री राजीव शुक्ल** : जी सर, हाउस की भावना है, सदस्यों की भावना है। सभी सदस्य इस मामले पर एकमत हैं और सरकार की भी यही इच्छा है। हम रूस की सरकार को इस मामले से अवगत करा रहे हैं।...(**व्यवधान**)...

**एक माननीय सदस्य** : कब अवगत कराएंगे?

**श्री राजीव शुक्ल** : हम जल्द ही अवगत करा रहे हैं और वहां के मंत्री ने माफ़ी भी मांगी है ...(**व्यवधान**)... इस पर तत्काल उचित कार्यवाही की जाएगी ...(**व्यवधान**)...

————————

**STATEMENT BY MINISTER**

**Comprehensive package for the Handloom Sector**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Anand Sharma to make a statement. ...*(Interruptions)*

THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY AND MINISTER OF TEXTILES (SHRI ANAND SHARMA): Sir, during the Budget Speech of 2011-12, the Finance Minister had announced that the Government of India would provide Rs. 3000 crore for implementing the financial package for handloom sector for waiver of overdue loans. The financial package has recently been approved by the Government with an outlay of Rs. 3884 crore. This includes one time waiver of overdue loans and interests as on 31st March, 2010, for loans disbursed to handloom sector. The financial package is expected to benefit about three lakh individual handloom weavers and 15,000 cooperative societies, and, they will be able to access institutional credit once again. A statement in this regard has already been laid on the table of the House on 25th November, 2011.

However, the above financial package will benefit only those weavers and their cooperative societies that had taken loans earlier. There would be many handloom weavers who had no access to institutional credit in the past. Such weavers will not be benefitted under the financial package. Further, a need was also felt to provide yarn to handloom sector at a price which is cheaper than that at which it is available to the powerloom and mills, so that handlooms can compete with them.

Therefore, in order to address the two critical needs of cheap credit and cheap yarn, the Government has now approved a comprehensive package for handloom weavers. The interventions will be operationalized by modifying the two existing Plan schemes, i.e, Integrated Handlooms Development Scheme for extending cheap credit, and Mill Gate Price Scheme for